HINDUSTAN TIMES, Delhi, 10.11.2021
Page No. 18, Size:(6.36)cms X (4.92)cms.

■ Central Vigilance Commissioner Suresh N Patel complimented GAIL Ltd for leveraging technology & robust systems during his visit to GAIL Corporate office. He launched Jagrook, a special publication of GAIL Vigilance Department in presence of GAIL CMD, Manoj Jain.

RASHTRIYA SAHARA, Varanasi, 10.11.2021
Page No. 3, Size:(28.61)cms X (15.19)cms.

देव दीपावली तक गंगा में चलेंगी सिर्फ सीएनजी बोट

वाराणसी (एसएनबी)। दिव्यता, भव्यता और वैभवता से पूरित विश्वविख्यात महापर्व देव दीपावली मनाने की विधिवत तैयारी देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी पूरे मनोयोग

अद्भुत जलज्योति महापर्व तक डीजल इंजन बोट को सीएनजी में कन्वर्ट करने का लक्ष्य

पीएम मोदी के संकल्प को सीएम योगी ने दी पूर्णता, प्रदूषण रहित दिखेगी घाटों की भव्यता

से कर रही है। इस वार देवदीपावली और आकर्षक होगी क्योंकि देव दीपावली पर सीएनजी आधारित वोट का संचलन गंगा में जल परिवहन का प्रदूषण रहित उत्तम कारक वनेगा। इसके साथ ही वनारस दुनिया का पहला ऐसा शहर होगा, जहां इतने वड़े पैमाने पर सीएनजी से नावों का संचालन होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र में पिछली देव दीपावली पर जव क्रूज से गंगा की सैर की थी तभी उन्होंने डीजल से चलने वाली वोट के जहरीले धुएं और शोर से गंगा को मुक्ति दिलाने ठानी थी और उनके इस संकल्प को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने पूर्णता की प्राप्ति करा दिया है। इतना ही नहीं, गंगा में फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन की भी योजना है। इससे गंगा के वीच में भी सीएनजी भरी जा सकेगी।

धर्म नगरी काशी में आने वाले पर्यटक गंगा में वोटिंग करके अर्धचंद्राकार घाटों के किनारे सदियों से खड़ी इमारतों, मंदिरमठों को देखते हैं। अव यहां आने वाले पर्यटकों को गंगा में वोटिंग करते समय जहरीले धुएं और वोट की तेज आवाज से मुक्ति मिलने वाली है। गंगा में चलने वाली करीव 500 मोटर वोट को 19 नवंवर देव दीपावली तक सीएनजी से चलाने का लक्ष्य है। आने वाले समय में गंगा में शतप्रतिशत वोट सीएनजी से चलाने की योजना है। मोक्षदायिनी गंगा दुनिया की पहली नदी होगी, जहां इतने वड़े पैमाने पर सीएनजी आधारित वोट चलेंगी।

सीएनजी इंजन के लिए 29 करोड़ का बजट : स्मार्ट सिटी के महाप्रवंधक डी. वसुदेवम ने वताया कि गंगा में करीव 1700 छोटीवड़ी नावें चलती हैं। इनमे से करीव पांच सौ वोट डीजल इंजन से चलने वाली है। लगभग 177 वोट में सीएनजी इंजन लगा चुका है। वचे हुए मोटर वोट को देव दीपावली तक सीएनजी इंजन से चला देने का लक्ष्य है। ये काम गेल इंडिया कार्पोरेट सोशल रिस्पांसविल्टी के तहत करा रही है। करीव 29 करोड़ के वजट से 1700 छोटी और वड़ी नाव में सीएनजी इंजन लगया जा रहा है। इसमें छोटी नाव पर करीव डेढ़ लाख का खर्च आ रहा है, जवकि वड़ी नाव और वजड़े पर लगभग ढाई लाख का खर्च है।

नौकाओं में मुफ्त सीएनजी : नाविकों के नाव में सीएनजी किट मुफ्त लगाया जा रहा है। स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट मैनेजर सुमन कुमार राय ने वताया कि जिस नाव पर सीएनजी आधारित इंजन लगेगा, उस नाविक से डीजल इंजन वापस ले लिया जाएगा। घाट पर ही डाटर स्टेशन है। जेटी पर डिस्पेंसर भी लग गया है। नाविकों का कहना है कि सीएनजी इंजन से आधे खर्चे में दोगुनी दूरी तय कर रहे हैं। धुआं और तेज आवाज नहीं होने से पर्यटकों को भी अच्छा लग रहा है।

ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करता है सीएनजी इंजन

वाराणसी। सीएनजी आधारित इंजन डीजल और पेट्रोल इंजन के मुकावले सात से 11 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करता है। वहीं सल्फर डाइआक्सइड जैसी गैसों के नहीं निकलने से भी प्रदूषण कम होता है। डीजल इंजन से नाव चलाने पर जहरीला धुआं निकलता है जो आसपास रहने वाले लोगों के लिए वहुत हानिकारक है, जवकि सीएनजी के साथ ऐसा नहीं है। डीजल इंजन की तेज आवाज से कम्पन होता है, जिससे इंसान के साथ ही जलीय जीवजन्तुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और इको सिस्टम भी खराव होता है। इसके साथ ही घाट के किनारे हजारों सालों से खड़े ऐतिहासिक धरोहरों को भी नुकसान पहुंच रहा था। डीजल की अपेक्षा सीएनजी कम ज्वलनशील होती है। अतः इससे चालित नौकाओं से आपदाओं की आशंका कम होगी।